No. of Printed Pages : 6

MPA-016

M. A. IN PUBLIC ADMINISTRATION

(MPA)

Term-End Examination

December, 2022

MPA-016 : DECENTRALISATION AND LOCAL GOVERNANCE

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *There are **two** Sections—Section I and Section II in this question paper. You are required to attempt a total of **five** questions in about **500** words each selecting at least **two** questions from each Section. Each question is of 20 marks.*

Section—I

1. Discuss the post-modernist critique that calls for public-participatory planning processes in public policy. Also briefly highlight the political environment of choice in public policy. 20

2. 'PRIs are an important instrument of social transformation.' Discuss. 20

3. Describe functional and financial decentralisation. 20

4. Elaborate upon the principles of desert, need and balance in equal distribution of benefits of development. 20

5. Define administrative decentralisation. Also, comment on the government's role as an enabler, provider, partner and investor in present day governance. 20

Section—II

6. Discuss the partnership among local authorities and special purpose agencies in the health sector. 20

7. "The 74th Constitutional Amendment Act, 1992, has granted the urban local bodies not only a constitutional status but has also improved their structure, working and finance." Examine. 20

8. Discuss the three-tier system of PRIs in India. 20

9. Write a note on resources of local bodies. 20

10. Discuss the socio-economic component of decentralisation and briefly highlight the measures to strengthen the same. 20

MPA-016

एम. ए. (लोक प्रशासन)
(एम. पी. ए.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022
एम. पी. ए.-016 : विकेन्द्रीकरण तथा स्थानीय शासन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न पत्र में दो भाग हैं—भाग-I तथा भाग-II। किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***500*** *शब्दों में लिखिए। प्रत्येक भाग में से कम से कम* ***दो*** *प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।*

भाग—I

1. लोक नीति में जन-भागीदारी योजना प्रक्रियाओं पर कार्रवाई करने वाली परवर्ती आधुनिकतावादी समीक्षा की चर्चा कीजिए तथा लोक नीति में चयन के राजनीतिक परिवेश को संक्षिप्त में उजागर कीजिए। 20

2. 'पंचायती राज संस्थायें सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण उपकरण हैं।' चर्चा कीजिए। 20

3. क्रियात्मक और वित्तीय विकेन्द्रीकरण का वर्णन कीजिए। 20

4. विकास के लाभों में समान वितरण में पात्रता, आवश्यकता और सन्तुलन के सिद्धान्त का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

5. प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण को परिभाषित कीजिए तथा वर्तमान समय के शासन में सरकार की एनेबलर, सुविधाप्रदाता, भागीदार तथा निवेशक की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए। 20

भाग—II

6. स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों और विशिष्ट कार्य अभिकरणों के बीच भागीदारी की चर्चा कीजिए। 20

7. "74वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992 ने शहरी स्थानीय निकायों को न केवल संवैधानिक स्थिति प्रदान की है परन्तु उनकी संरचना, कार्यकारी और वित्त को भी सुधारा है।" परीक्षण कीजिए। 20

8. भारत में पंचायती राज संस्थाओं की तीन स्तरीय प्रणाली की चर्चा कीजिए। 20

9. स्थानीय निकायों के संसाधनों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

10. विकेन्द्रीकरण के सामाजिक-आर्थिक घटक की चर्चा कीजिए तथा उसे सुदृढ़ करने के उपायों को संक्षिप्त में उजागर कीजिए। 20